



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 420] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 15, 2018/कार्तिक 24, 1940
No. 420] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 15, 2018/KARTIKA 24, 1940

राष्ट्रीय आवास बैंक

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2018

अधिसूचना सं. रा.आ.बैंक.आ.वि.कं.निर्देश.21/एमडीएंडसीईओ/2018.—राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30ए और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं इस संबंध में सामर्थ्यकारी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय आवास बैंक ने सार्वजनिक हित में और संतुष्ट होकर यह आवश्यक समझा कि आवास वित्त प्रणाली को देश के लाभार्थ विनियमित करने में सशक्त होने के प्रयोजनार्थ, कि ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा निर्देश देता है कि आवास वित्त कंपनी (रा.आ.बैंक) निर्देश, 2010 (यहां के बाद मुख्य निर्देश के रूप में संदर्भित), तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा, यथा-

1. अनुच्छेद 2 में संशोधन

खण्ड (घ) के बाद, मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 2 के उप-अनुच्छेद (1) में निम्नलिखित खण्ड को शामिल किया जाएगा-

“(घ क) “एक ही समूह में कंपनियों” का अर्थ है कि निम्नलिखित में से किसी भी संबंध के माध्यम से एक-दूसरे से संबंधित दो या दो से अधिक शामिल इकाईयां: (i) गौण- मूल, संयुक्त उद्यम, सहयोगी, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत परिभाषित एक संबंधित पक्ष, भारतीय लेखांकन मानक, (ii) प्रवर्तक – सूचीबद्ध कंपनियों के लिए पदोन्नत (जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयर और अधिग्रहण का पर्याप्त अर्जन) विनियम, 2011) में प्रदान किया गया है), (iii) सामान्य ब्रांड का नाम, और (iv) 20% और उससे अधिक के इक्विटी शेयर में निवेश;”

2. अनुच्छेद 32 में संशोधन

(i) मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 32 के उप-अनुच्छेद (1) में, निम्नलिखित को शामिल किया जाएगा-

“बशर्ते कि, किसी अन्य कंपनी के शेयर में निवेश पर अधिकतम सीमा राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा लिखित में, विशेष रूप से अनुमत मात्रा तक, बीमा कंपनी की इक्विटी पूंजी में निवेश के संबंध में लागू नहीं होगी।

इसके अतिरिक्त यह दिया गया है कि उप-अनुच्छेद (1) में निहित प्रावधान निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगे -

(क) आवास वित्त कंपनी के निम्न के शेयरों में निवेश:

(i) इसकी सहायक कंपनियों में;

(ii) एक ही समूह की कंपनियों में,

जिस सीमा तक इन्हें निवल स्वाधिकृत निधि की गणना हेतु स्वाधिकृत निधि से कम कर दिया गया है और

(ख) डिबेंचर्स, बॉण्ड, बकाया ऋण और अग्रिम (किराया खरीद और पट्टा वित्त सहित) का बही मूल्य निम्न के लिए और उनके साथ जमा किया गया -

(i) एक आवास वित्त कंपनी की सहायक कंपनियां; और

(ii) एक ही समूह की कंपनियां,

जिस सीमा तक इन्हें निवल स्वाधिकृत निधि की गणना हेतु स्वाधिकृत निधि से कम कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त यह दिया गया है कि रियल एस्टेट निर्माण/खरीद और रियल एस्टेट गतिविधियों की बिक्री में शामिल समूह कंपनियों हेतु आवास वित्त कंपनी का एक्सपोजर उप-अनुच्छेद (1) में निहित क्रेडिट/निवेश पर लागू अधिकतम सीमा के अधीन होगा।

(ii) मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 32 का उप-अनुच्छेद (2) विलोपित रहेगा।

(iii) नोट (5) के बाद, निम्नलिखित नोट को शामिल किया जाएगा -

“(6) स्वाधिकृत निधि का अर्थ इन निर्देशों के अनुच्छेद 2 के उप-अनुच्छेद (1) (फ) के तहत परिभाषित 'स्वाधिकृत निधि' और पिछले वर्ष 31 मार्च को प्रकाशित खातों के अनुसार उसकी स्थिति के संबंध में होगा।

(7) प्रकाशित तुलन-पत्र तिथि के बाद पूंजी निवेश को एक्सपोजर अधिकतम सीमा का निर्धारण करने के लिए ध्यान में रखा जा सकता है लेकिन आवास वित्त कंपनी को भविष्य की तारीख में पूंजी निवेश के पूर्वानुमान में अधिकतम सीमा से अधिक एक्सपोजर नहीं लेना चाहिए। एक आवास वित्त कंपनी पूंजी का संवर्धन पूरा होने पर उपरोक्त उद्देश्य के लिए उक्त की गणना करने से पहले राष्ट्रीय आवास बैंक को सांविधिक लेखा परीक्षक का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगी।

(8) तिमाही लाभ आदि के माध्यम से पूंजीगत निधियों के लिए अन्य अनुवृद्धि, एक्सपोजर की अधिकतम सीमा का निर्धारण करने के उद्देश्य हेतु 'स्वाधिकृत निधि' की गणना करने के लिए माने जाने योग्य नहीं होगा।

श्रीराम कल्याणरामन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

[विज्ञापन-III/4/असा./193/18]

NATIONAL HOUSING BANK

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th July, 2018

Notification No. NHB.HFC.DIR.21/MD&CEO/2018.—In exercise of the powers conferred by sections 30A and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, the National Housing Bank, having considered it necessary in the public interest, and on being satisfied that for the purpose of enabling it to regulate the housing finance system of the country to its advantage, it is necessary so to do, hereby directs that the Housing Finance Companies (NHB) Directions, 2010 (hereinafter referred to as the principal Directions) shall, with immediate effect, be amended in the following manner, namely –

1. Amendment to Paragraph 2

In sub-paragraph (1) of Paragraph 2 of the principal Directions, after clause (d), the following clause shall be *inserted* -

“(da) "companies in the same group" shall mean an arrangement involving two or more entities related to each other through any of the following relationships: (i) Subsidiary - Parent, Joint Venture, Associate, A Related Party as defined under the Companies Act, 2013, Indian Accounting Standards (Ind AS), (ii) Promoter - Promotee (as provided in the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011) for listed companies, (iii) Common Brand Name, and (iv) investment in equity shares of 20% and above;”

2. Amendment to Paragraph 32

(i) In sub-paragraph (1) of Paragraph 32 of the principal Directions, the following shall be *inserted* -

“Provided that the ceiling on the investment in shares of another company shall not be applicable in respect of investment in the equity capital of an insurance company up to the extent specifically permitted, in writing, by National Housing Bank.

Provided further that nothing contained in sub-paragraph (1) shall apply to-

(a) investments of a housing finance company in shares of

(i) its subsidiaries;

(ii) companies in the same group,

to the extent they have been reduced from owned funds for the calculation of net owned fund and

(b) the book value of debentures, bonds, outstanding loans and advances (including hire-purchase and lease finance) made to, and deposits with-

(i) subsidiaries of a housing finance company; and

(ii) companies in the same group,

to the extent they have been reduced from owned fund for the calculation of net owned fund.

Provided further that the exposure of a housing finance company to group companies involved in real estate construction/purchase and sale of real estate activities shall be subject to the ceiling applicable to credit/investment as contained in sub-paragraph (1).”

(ii) Sub-paragraph (2) of Paragraph 32 of the principal Directions shall stand *deleted*.

(iii) After note (5), the following Notes shall be *inserted* -

“(6) Owned fund shall mean 'owned fund' as defined under sub-paragraph (1)(w) of paragraph 2 of these Directions and with respect to its position as per the published accounts as on March 31st of the previous year.

(7) The infusion of capital, after such published balance sheet date may be taken into account for determining the exposure ceiling but the housing finance company shall not take exposure in excess of the ceiling in anticipation of infusion of capital at a future date. The Housing Finance Company shall furnish to the National Housing Bank, statutory auditor's certificate on completion of the augmentation of capital before reckoning the same for above purpose.

(8) Other accretions to capital funds by way of quarterly profits etc., shall not be eligible to be reckoned to compute 'owned fund' for the purpose of determining the exposure ceiling.”

SRIRAM KALYANARAMAN, Managing Director & Chief Executive Officer

[ADVT.-III/4/Exty./193/18]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2018

अधिसूचना सं. रा.आ.बैंक.आ.वि.कं.एटीसी.निदेश.2/एमडीएंडसीईओ/2018.—राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30ए और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं इस संबंध में सामर्थ्यकारी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय आवास बैंक, इसे सार्वजनिक हित में आवश्यक समझकर और संतुष्ट होकर कि देश की आवास वित्त प्रणाली को लाभार्थ विनियमित करने में सशक्त होने के प्रयोजनार्थ ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा निदेश करता है कि आवास वित्त कंपनियां – नियंत्रण के अभिग्रहण या हस्तांतरण की मंजूरी (राष्ट्रीय आवास बैंक) निदेश, 2016 तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा, यथा:

(i) अनुच्छेद 3 में संशोधन

आवास वित्त कंपनियां – नियंत्रण के अभिग्रहण या हस्तांतरण की मंजूरी (राष्ट्रीय आवास बैंक) निदेश, 2016 के अनुच्छेद 3 के खण्ड (i) का मद (ख) इस प्रकार प्रतिस्थापित किया जाएगा –

(ख) सार्वजनिक जमाएं स्वीकार/ धारित करने वाली एक आ.वि.कं.की शेयरधारिता में कोई बदलाव, समय के साथ प्रगामी वृद्धि सहित, जिसके परिणामस्वरूप एक विदेशी निवेशक द्वारा/को आ.वि.कं. की प्रदत्त इक्विटी पूंजी का 10 प्रतिशत या ज्यादा का अभिग्रहण/ हस्तांतरण होगा

या

एक आ.वि.कं.की शेयरधारिता में कोई बदलाव, समय के साथ प्रगामी वृद्धि सहित, जिसके परिणामस्वरूप आ.वि.कं. की प्रदत्त इक्विटी पूंजी के 26 प्रतिशत या ज्यादा की शेयरधारिता का अभिग्रहण/ हस्तांतरण होगा।

बशर्ते कि, उस मामले में पूर्व अनुमोदन आवश्यक नहीं होगा जब कोई शेयरधारिता, पूंजी में कमी/शेयर की वापसी-खरीद के कारण 10 प्रतिशत से अधिक या 26 प्रतिशत हो, प्रयोज्य अनुसार, जहां उसके पास सक्षम न्यायालय का अनुमोदन हो। हालांकि, ऐसी घटना के घटित होने की तिथि से कम से कम एक महीने के भीतर राष्ट्रीय आवास बैंक को उक्त जानकारी से सूचित किया जाना आवश्यक है;

(ii) अनुच्छेद 5 में संशोधन

आवास वित्त कंपनियां – नियंत्रण के अभिग्रहण या हस्तांतरण की मंजूरी (राष्ट्रीय आवास बैंक) निदेश, 2016 के अनुच्छेद 5 में, आखिर में निम्नलिखित को शामिल किया जाएगा –

बशर्ते कि इस अनुच्छेद में निहित प्रावधान उस मामले में लागू नहीं होंगे जब सार्वजनिक जमाएं स्वीकार/धारित करने वाली एक आ.वि.कं.की शेयरधारिता में कोई बदलाव, समय के साथ प्रगामी वृद्धि सहित, जिसके परिणामस्वरूप एक विदेशी निवेशक द्वारा/को आ.वि.कं. की प्रदत्त इक्विटी पूंजी का 10 प्रतिशत से ज्यादा और 26 प्रतिशत से कम का अभिग्रहण/ हस्तांतरण होगा।

श्रीराम कल्याणरामन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

[विज्ञापन-III/4/असा./193/18]

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th July, 2018

Notification No. NHB.HFC.ATC.DIR.2/MD&CEO/2018.—In exercise of the powers conferred by sections 30A and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, the National Housing Bank, having considered it necessary in the public interest, and on being satisfied that for the purpose of enabling it to regulate the housing finance system of the country to its advantage, it is necessary so to do, hereby directs that the Housing Finance Companies— Approval of Acquisition or Transfer of Control (National Housing Bank) Directions, 2016 shall, with immediate effect, be amended in the following manner, namely –

(i) Amendment to Paragraph 3

Item (b) of clause (i) of Paragraph 3 of the Housing Finance Companies – Approval of Acquisition or Transfer of Control (National Housing Bank) Directions, 2016, shall be substituted as under -

(b) any change in the shareholding of an HFC accepting/holding public deposits, including progressive increases over time, which would result in acquisition / transfer of shareholding of 10 percent or more of the paid up equity capital of the HFC by/to a foreign investor

or

any change in the shareholding of an HFC, including progressive increases over time, which would result in acquisition / transfer of shareholding of 26 per cent or more of the paid up equity capital of the HFC.

Provided that, prior approval would not be required in case of any shareholding going beyond 10% or 26%, as applicable, due to buyback of shares/reduction in capital where it has approval of a competent Court. However, the same is to be reported to the National Housing Bank not later than one month from the date of its occurrence;

(ii) Amendment to Paragraph 5

In paragraph 5 of the Housing Finance Companies – Approval of Acquisition or Transfer of Control (National Housing Bank) Directions, 2016, the following shall be inserted at the end –

Provided that nothing contained in this paragraph shall apply in case of any change in shareholding of an HFC accepting/holding public deposits, including progressive increases over time, which would result in acquisition/transfer of shareholding of 10 per cent or more and less than 26% of the paid up equity capital of the HFC by/to a foreign investor.

SRIRAM KALYANARAMAN, Managing Director & Chief Executive Officer

[ADVT.-III/4/Exty./193/18]